शांति में ही मीडिया की शक्ति समाहित

ब्रह्माकुमारी संस्थान् द्वारा 'शांति तथा सद्भावना के संवर्धन में मीडिया की भूमिका' पर चार दिवसीय महासम्मेलन का सफलतम आयोजन, 2000 मीडिया कर्मी ने लिया भाग।

शांतिवन। ब्रह्माकुमारी संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने मीडिया प्रभाग द्वारा 'शांति तथा सद्भावना के संवर्धन में मीडिया की भूमिका' विषय पर विचारार्थ आयोजित मीडिया महासम्मेलन के उद्घाटन सत्र में कहा कि आत्मा का धर्म शांति व पवित्रता है। इन दो गुणों को धारण करके शांति तथा सद्भावना के संवर्धन में मीडिया निर्णायक भूमिका निभा सकता है।

संस्था के महासचिव ब्र.कु.निर्वैर ने कहा कि यदि सकारात्मक सामग्री परोसते हुए मीडिया मूल्यनिष्ठ समाज की स्थापना में आगे आए तो भारत पुन: विश्वगुरु का दर्जा हासिल कर लेगा।

ब्रह्माकुमारीज मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष ब्र.कु.ओमप्रकाश ने देश के विभिन्न प्रांतों एवं नेपाल से आए लगभग दो हजार मीडिया कर्मियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि शांति में ही मीडिया की शक्ति समाहित है। अशांति से इस शक्ति का भी नाश हो जाता है। जैसे अंधकार में हम ठोकरें खाते हैं वैसे ही अज्ञान के कारण हमारा पतन भी होता है। अशांति विश्वव्यापी संक्रमण रोग की तरह बढ़ रही है। लोगों को सकारात्मकता की ओर प्रेरित करने का दायित्व मीडिया को निभाना होगा।

कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय रायपुर के उपकुलपति डॉ.सच्चिदानंद जोशी ने कहा कि जब लोकतंत्र के अन्य तीन स्तम्भों की ओर अंगुलियां उठ रही हों तो लोगों का चौथे स्तम्भ मीडिया की तरफ आशा भरी नजरों से देखना स्वभाविक है। यदि अन्य तीन स्तम्भों के प्रति निर्लेप व निष्पक्ष भाव से देखते हुए मीडिया समाज के अंतिम छोर पर बैठे आम आदमी की आवाज बुलंद करेगा तो नि:संदेह सुशासन की स्थापना और शांति व सद्भावना के संवर्धन में उसकी सुखद भूमिका रेखांकित करना आसान हो जायेगा। उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि कहीं-कहीं मीडिया की राजनेताओं व अफसरशाही से सांठगांठ सुशासन के लिए गंभीर चुनौति बन जाती है। यदि मानवता के मानदंड इसी प्रकार बदलते रहे तो देश का भविष्य धुंधला सकता है।

शांतिवन। मीडिया महासम्मेलन का उद्घाटन करते हुए दादी रतनमोहिनी, ब्र.कु.निर्वैर, ब्र.कु.ओमप्रकाश तथा अन्य।

सोसायटी ऑफ मीडिया इनिशिएटिव फॉर वैल्यूज के राष्ट्रीय संयोजक प्रो.कमल दीक्षित ने कहा कि पूरी दुनिया में मीडिया ने शांति तथा सद्भावना के लिए भले ही बीते समय में बहुत प्रयास किए लेकिन अशांति में फिर भी निरंतर वृद्धि हुई। वास्तव में अशांति मन में पैदा होती है और इसे समाप्त करने के लिए मन को खंगालना होगा। मन की शांति के लिए आत्मा का शुद्धिकरण आवश्यक है। अब सामाजिक सरोकार को मीडिया प्रमुखता प्रदान करके अपनी बेहतर पहचान बना सकता है।

प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक ब्र.कु.आत्मप्रकाश ने कहा कि प्रगति की तेज रफ्तार के बावजूद शांति और सौहार्द का अभाव महसूस किया जा रहा है। इस स्थिति को आध्यात्मिक क्रांति द्वारा बदलने का सामर्थ्य मीडिया में है।

ज्ञानसरोवर की निदेशिका ब्र.कु.डॉ.निर्मला ने उम्मीद जताई कि मीडिया महासम्मेलन में भाग लेने वाले पत्रकार जन-जन में विश्व बंधुत्व का संदेश फैलाते हुए मूल्यनिष्ठ समाज की स्थापना में सहभागी बनेंगे। लघु एवं मध्यम समाचार पत्र संगठन के अध्यक्ष श्यामसुंदर त्रिपाठी ने कहा कि जब तक पत्रकार विचारों की शुद्धि नहीं करेंगे तब तक वे लोकतंत्र में लोगों की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सकते।

राजस्थान विश्वविद्यालय में पत्रकारिता विभाग के अध्यक्ष प्रो.संजीव भानावत ने कहा कि मूल्यनिष्ठ शिक्षा विषय पर डिप्लोमा पाठ्यक्रम को विश्वविद्यालयों से स्वीकृति दिलाकर ब्रह्माकुमारी संस्था ने जो भागीरथी प्रयास किया है उसके शुभकारी परिणाम निकट भविष्य में सामने आयेंगे। नकारात्मक मूल्य बोध को समाप्त करने की आज महती आवश्यकता है और इसमें मीडिया की भूमिका नि:संदेह कारगर साबित होगी।

म.प्र.के वरिष्ठ पत्रकार मधुकर द्विवेदी ने कहा कि मधुबन की पावन धरती से शुचिता एवं शांति का संदेश प्रवाहित हो रहा है, इससे जुड़कर मीडियाकर्मी इस यज्ञ को प्रभावशाली ढंग से आगे बढ़ा सकते हैं।

विजन वर्ल्ड टीवी के संपादक आशीष गुप्ता ने कहा कि आजादी के दौर में कलम का नियंत्रण दिल से होता था, अब मार्केटिंग द्वारा होता है। मीडिया को न्यायपालिका के अधिकारों का अधिग्रहण करने की बजाय भाषा के प्रयोग में संतुलन लाना होगा।

राजकीय कालेज लुधियाना के प्राध्यापक हरदीप सिंह ने इस बात पर अफसोस जताया कि उपमहाद्वीप में अशांति व तनाव जितना राजनेताओं को पसंद है उतना ही मीडियाकर्मियों को, जबकि अणुबम से भी ज्यादा शांति की शक्ति महसूस की जा सकती है।

जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय के डॉ.सुरेश वर्मा ने कहा कि समाचार चैनलों के अधिकांश समाचार दर्शक को अशांत बना देते हैं। व्यवसायिकरण की गला काट प्रतिस्पर्धा समाज को शांति और सद्भाव से दूर ले जा रही है।

माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय के प्रो.के.सी.मौली द्वारा प्रस्तुत पत्र में कहा गया कि जिला स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक पत्रकार यदि लोगों की समस्याओं को ईमानदारी से प्रशासन तक पहुंचायें तो सुशासन में मीडिया की भूमिका अहम हो जायेगी।

वर्धमान महावीर विश्वविद्यालय उदयपुर की डॉ.रश्मि बोहरा ने कहा कि सूचनाओं की बमबारी ज्ञान में वृद्धि नहीं कर सकती। यदि मीडिया में मूल्यों का निरूपण हो जाए तो सुशासन के पुनीत कर्तव्य के निर्वहन में मीडिया सचमुच ही सफल हो पायेगा। सम्मेलन को सम्बोधन करने वालों में मुम्बई उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता फिरदौस कराचीवाला, भोपाल के वरिष्ठ पत्रकार जयकृष्ण गौढ़, एबीसी टीवी काठमाण्डु के कार्यक्रम निर्माता सुरेशाचार्य शामिल थे। महासम्मेलन के दौरान बैंगलोर व बेलगाम के कलाकारों ने मनभावन सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया।

शांतिवन। प्रो.संजीव भानावत,डॉ आर बोहरा,उपकुलपति डॉ.सच्चिदानंद जोशी, ब्र.कु.डॉ निर्मला,ब्र.कु.विजया, प्रो.के.सी.मौली।

भारत - वार्षिक 170 रुपये
तीन वर्ष 510 रुपये
आजीवन 4000 रुपये
विदेश - 2000 रूपये (वार्षिक)
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओम शान्ति मीडिया' के नाम मनीआर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट माउण्ट आबू) द्वारा भेजें ।

ओम शान्ति मीडिया
सम्पादक : ब्र.कु.गंगाधर
ब्रह्माकुमारीज, शांतिवन, तलहटी
पोस्ट बॉक्स नं. - 5, आबू रोड (राज.) 307510
Enquiry For Membership, Mob. No. - 09414006096
(M)- 9414154344, E-mail : mediabkm@gmail.com,
omshantimedia@bkivv.org, webside:www.omshantimedia.info

प्रति

RNI NO RAJHN/2000/721, NEWS PAPER TO POST CONCESSIONAL REGISTRATION NO. RJ/SIROHI/9623/12-14, 12TH TO 14 TH, 22 ND TO 24TH POSTED TO SHANTIVAN POST OFFICE
सलाहकार संपादक: कमल दीक्षित, प्रकाशक: ब्र.कु.करूणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ.) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट साल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।